पाठ 4

मिल कर करें सफाई

हमारे विद्यालय में 2 अक्टूबर को गाँधी जयंती मनाई जा रही थी। इस दिन पूरे भारत में "स्वच्छ भारत मिशन" के तहत सभी जगह साफ–सफाई चल रही थी। विद्यालय में भी स्वच्छता अभियान कार्यक्रम चलाया गया। गंगा ने उसमें बढ़–चढ़ कर भाग लिया। संपूर्ण सफाई होने के बाद गंगा ने देखा कि विद्यालय बहुत ही सुंदर लग रहा था। गंगा ने घर जाकर अपनी माँ को बात बताई और कहा कि माँ घर की सफाई करने में मैं भी आपकी मदद करूँगी।

चित्र 4.1 (अ) सफाई करते हुए

चित्र 4.1 (ब) साफ–सुथरा विद्यालय

सोचिए और लिखिए

- आपके विद्यालय में भी स्वच्छता अभियान चलाया गया होगा। आपने उस समय क्या–क्या कार्य किए, उन कार्यों की सूची बनाइए।
- आपने इस अभियान में भाग लेकर क्या अनुभव किया?
- आपने स्वच्छता अभियान के बाद अपनी आदतों में क्या–क्या परिवर्तन किया?

एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छ भारत मिशन भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किया गया राष्ट्रीय स्तर का अभियान है। इसका उद्देश्य गलियों, सड़कों तथा सर्वाजनिक स्थल को साफ सुथरा करना है। यह अभियान महात्मा गाँधी की जयन्ती 02 अक्टूबर, 2014 को आरंभ किया गया।

कुछ दिनों बाद गंगा जब विद्यालय के लिए चली तो उसने देखा कि गली–मौहल्ले में कचरे का ढेर लगा था। उसे अच्छा नहीं लगा। विद्यालय जाकर उसने अपनी कक्षा में इस बात की चर्चा अपने साथियों से की। गंगा ने बताया कि हम सब अपने स्कूल, घर आदि को तो साफ रखते हैं, पर गली–मौहल्ले तो गंदे हैं। ऐसी सफाई से क्या फायदा?

इस बीच हरीश झट से बोल उठा कि ये काम हमारा तो नहीं है। इस संबंध में हम क्या कर सकते हैं?

चर्चा कीजिए और लिखिए

- क्या गली–मौहल्ले की साफ–सफाई की हमारी भी कोई जिम्मेदारी है या नहीं?
- गली–मौहल्ले में कचरा और गंदगी का क्या कारण है?
- हमारे गली–मौहल्ले साफ रहें, इसके लिए हम क्या–क्या कर सकते हैं ?

पता कीजिए और बताइए

- आपके गली–मौहल्ले की सफाई कौन करता है?
- वे इकट्ठे किए हुए कूड़े का क्या करते हैं और कहाँ ले जाते हैं?
- इस कार्य में उन्हें क्या कठिनाइयाँ आती हैं?

सोचिए और बताइए

- यदि एक सप्ताह तक आपके विद्यालय या घर के आस–पास फैला कूड़ा–कचरा साफ न किया जाए तो क्या होगा?

करके जानिए

- घर से निकले कचरे में से उन चीजों की सूची बनाइए जिनका उपयोग पुनः किया जा सकता हो।
- ऐसी ही चीजें जैसे– गत्ते, कागज़, थैलियाँ आदि का उपयोग कर कुछ उपयोगी चीज़ें बनाइए।

जैसे : –

– पेकिंग के खाली डिब्बों के गत्ते से कचरा पात्र बनाना।
– पुराने कपड़ों से डस्टर बनाना, रस्सियाँ बनाना, दरियाँ बनाना।
– चॉकलेट के रेपर्स से सजावटी सामान बनाना, आदि।

एक शुरुआत

गंगा बहुत खुश थी। आज उसके भाई–भाभी आने वाले हैं जो शहर में रहते हैं। वह जल्दी घर पहुँची। भाई–भाभी उसके लिए बहुत से उपहार लाए थे। उनके आने से सभी बहुत खुश थे। थोड़ी देर बाद भाभी ने पूछा कि शौचालय कहाँ है? गंगा ने बताया कि घर में तो शौचालय नहीं है। भाभी खुले में शौच जाने को तैयार नहीं थी। भाभी का कहना था कि हम घर एवं बाहर घूँघट निकालते हैं तो खुले में शौच कैसे जाएँ? यह तो अच्छी बात नहीं है। बहू की बात सुनकर दादा जी ने कहा "वह बिल्कुल सही कह रही है।" आज ही कारीगरों को बुलवाओ और घर के आहते में शौचालय बनवाओ। आजकल तो शौचालय बनवाने के लिए सरकार सहायता भी देती है। गंगा के घर शौचालय बनता देख, गाँव के अन्य सभी लोग भी अपने यहाँ शौचालय बनवाने लगे।

चर्चा कीजिए और लिखिए

- गंगा की भाभी का कहना है कि जब हम घर एवं बाहर घूँघट निकालते हैं तो खुले में शौच कैसे जाएँ? यह बात कितनी उचित है?
- खुले में शौच जाने के क्या बुरे परिणाम हो सकते हैं?
- आपके क्षेत्र में क्या लोग खुले में शौच करते हैं? ऐसे लोगों को आप क्या राय देगें?
- जिनके पास घर नहीं हैं, जो तंबुओं में रहते हैं, उनके लिए शौच की क्या व्यवस्था होनी चाहिए?
- शौच जाने के बाद साबुन से हाथ धोना क्यों जरूरी है?

चित्र 4.2 सफाई मशीन

चित्र 4.3 आधुनिक पोंछा, सफाई कर्मी

चित्र 4.4 स्वच्छ शौचालय

चित्र 4.5 साफ–सुथरा घर

चित्रों को देखिए और चर्चा कीजिए

- चित्र में सफाईकर्मी के पास क्या उपकरण है?
- सफाई के उपयुक्त उपकरण न हो तो सफाई कार्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

आदत हो, दिखावा नहीं

गंगा के भाई–भाभी चण्डीगढ़ यात्रा कर लौटे थे। उन्होंने उसे वहाँ के बहुत से फोटो दिखाए। गंगा ने देखा कि सभी जगह बहुत साफ–सुथरी थी। अब वह विचार करने लगी कि हमारे घर तो छोटे हैं और सब जगह इतनी सफाई नहीं है। भाई के मित्र जिसके घर, भाई–भाभी जाकर लौटे थे, कुछ दिनों बाद गाँव आने वाले हैं। ऐसे तो उनको अच्छा नहीं लगेगा। उसने भाभी से इस संबंध में बात की, भाभी समझदार थी। उसने गंगा को समझाया छोटे–बड़े घर से कोई छोटा–बड़ा नहीं हो जाता है। बस,सफाई बहुत जरूरी है। यह किसी को दिखाने के लिए नहीं होनी चाहिए, वरन ये हमारी आदत का हिस्सा होनी चाहिए।

सोचिए और लिखिए

- सफाई हमारी आदत का हिस्सा होनी चाहिए। इस बारे में आपके क्या विचार हैं?
- सफाई का कार्य करने वाले लोगों के साथ हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए?
- अगर हमारे गाँव / शहर साफ नहीं होगें तो हमारे देश की छवि कैसी होगी?
- अगर हमारे घर की साफ–सफाई नहीं होगी तो हमारे जीवन पर क्या प्रभाव होगा?

सफाई करने वाला श्रेष्ठ है, कचरा फैलाने वाला नहीं

भाभी के समझाने पर गंगा और उसकी सहेलियों ने सफाई को अपनी आदत बनाने के लिए कुछ संकल्प लिए–

- अब हम अपनी कक्षा में कागज़, पेन्सिल के छिलके, टॉफी के रेपर्स आदि नहीं फेकेंगे।
- हम दीवारों, फर्श अथवा फर्नीचर पर नहीं लिखेंगे और उन्हें गंदा नहीं करेंगे।
- हम जगह–जगह नहीं थूकेंगे और कचरा भी नहीं फेकेंगे।
- हम रोज नहाएँगे और साफ कपड़े पहनेंगे।
- हम प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग नहीं करेंगे।
- हम हमारी गली–मौहल्ले, घर, स्कूल और सार्वजनिक स्थानों पर सफाई में पूरा योगदान करेंगे।
- जब हम बाजार में सब्जी, किराने का सामान आदि खरीदने जाएँगे तो कपड़े का थैला जरूर साथ ले जाएँगे।

विशेष

गाँधीजी के आश्रम में कोई भी व्यक्ति जाता तो उसे दैनिक कार्य में सर्वप्रथम शौचालय साफ करने का कार्य दिया जाता था। वह व्यक्ति जब इस कार्य को अच्छी तरह कर लेता था, उसके पश्चात ही उसे अन्य कार्य दिया जाता था क्योंकि महात्मा गाँधी स्वच्छता और सफाई को सर्वाधिक महत्त्व देते थे।

आज सारे देश में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि सड़कें, स्टेशन, बस स्टेण्ड आदि साफ–सुथरे मिलें, घरों में कूड़ा पात्र अवश्य हो। साथ ही कचरे का पुनःचक्रण द्वारा निस्तारण करना आवश्यक है।

हमने सीखा

- स्वस्थ रहने के लिए साफ–सफाई आवश्यक है।
- हमें अपनी सफाई स्वयं करनी चाहिए।
- सफाई दिखावा नहीं बने, बल्कि आदत बन जाए।
- शौचालय में ही शौच करना चाहिए, खुले में नहीं।

जाना–समझा, अब बताइए

- आपने अपने विद्यालय में स्वच्छता अभियान कैसे चलाया? वर्णन कीजिए।
- "सफाई हमारी आदत बन जाए" इस हेतु हमें क्या करना चाहिए?
- गाँधीजी अपने आश्रम में आने वाले को सफाई के प्रति सजग करने के लिए क्या करते थे?

- देश के "स्वच्छ भारत मिशन" पर अपने विचार लिखिए।

"हमारा संकल्प – स्वच्छ भारत"